

85

RIEDEL HALL

५

रुद्रा नमो रुद्रा नमो सा क
विन्द्या सा गज त्त्यः सर्वसि
मया शुभ मे क सि सम
जाजाः रुद्र न विह न मि
मेद्य म पु ले क कां ग ल म

म नय नमः वा ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
मय क थ लः ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
य रुद्रा नमः नं वाय नं वा नाश
मम शुभ मि न त र क म हा
रुद्रा हि रु सं द्य न सा रु म रुद्रा

व वा धि स ल सं द्य नः सा रु म रुद्रा व ना ग ना रुद्रा ल सा थं वा न द्य था ॥ न द्य न व
ना ग ना रुद्र नः उ य न द्य न रुद्र ना ग ना रुद्र न ॥ सा ग ल न व ना ग ना रुद्र न ॥ अ न
य न थ न व ना ग ना रुद्र न ॥ म न थि न व ना ग ना रुद्र न ॥ म हा म न थि न द्य न ना ग ना
रुद्र न ॥ म वि मि थु न व ना ग ना रुद्र न ॥ स द्य न व ना ग ना रुद्र न ॥ प ल य रुद्र न व ना
ग ना रुद्र न ॥ म वि न व ना ग ना रुद्र न ॥ क रुद्र न व ना ग ना रुद्र न ॥ वि द्य ल

मूवेन च नागना कन ॥ अवे लस सिखीन च नागना कन ॥ मेद्यग कि किन च
नागना कन ॥ वरसं रुवन च नागना कन ॥ वरवल न च नागना कन ॥ उल्काया
कन च नागना कन ॥ अकाल गर कि न च नागना कन ॥ गरुन स येन च नाग
ना कन ॥ विष्णु मा च न च नागना कन ॥ धन नि धल न च नागना कन ॥ अ
य च न च नागना कन ॥ शु दभं न च नागना कन ॥ विष्णु न च नाग

ना कन ॥ महा मेद्य गर कि न च नागना कन ॥ महा मू इ लू दू स हं न च नागना कन
आ नं कि न च नागना कन ॥ अन न च नागना कन ॥ यो न च नागना कन
। आ धन न च नागना कन ॥ दु दु हि स न च नागना कन ॥ इ न्दु हिः नि ना
द वि ना की न स ल न च नागना कन ॥ क म्ब ल न च नागना कन ॥ आ क
र ल न च नागना कन ॥ आ क ल न च नागना कन ॥ आ ल न च नागना

अनामहायु न युन सधन वनागना अना॥ किलिकिलि सधन वना
गना अना॥ यस्सु दधन वनागना अना॥ वर्षभुम्बु वन वनागना अना॥ म
हायानि कवि न वनागना अना॥ कट्यम्बु वन वनागना अना
। किकि वन वनागना अना॥ श्रीमन् न वनागना अना॥ रुद्र किकि वन वनाग
ना अना॥ म क्लेन वनागना अना॥ मद्यस्सु न वनागना अना॥ मद्य

३

वदि न वनागना अना॥ मद्यस्सु दधन वनागना अना॥ संकुद
न वनागना अना॥ विकिडिं न वनागना अना॥ वास्सु किन वनाग
ना अना॥ अनं वन वनागना अना॥ सुयु न वनागना अना॥ अियदभनिः
न वनागना अना॥ अभा दानदि न वनागना अना॥ मद्यम क्लेन वनागना अना
न वनागना अना॥ सुदभनि वन वनागना अना॥ वास्सु वन वनागना अना

ना॥ वा॥ न॥ क॥ ह॥ व॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ म॥ नि॥ च॥ ङ॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ ५॥ न॥ ना॥ ग॥ :
कु॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ न॥ म॥ ह॥ उ॥ : स॥ र्व॥ न॥ व॥ ना॥ ग॥ ना॥ क॥ ना॥ : म॥ ह॥ या॥ ना॥ ग॥ आ॥ हा॥ :
म॥ ह॥ ना॥ ना॥ ग॥ वि॥ कु॥ वि॥ न॥ न॥ श्रु॥ ना॥ आ॥ का॥ म॥ म॥ हा॥ गु॥ न॥ गु॥ न॥ न॥ : म॥ हा॥ वा॥ वा॥ न॥ व॥ ४
व॥ स॥ म॥ व॥ ना॥ ह॥ व॥ न॥ : स॥ श्रु॥ वा॥ क॥ न॥ मा॥ म॥ य॥ न॥ ध॥ म॥ भु॥ व॥ ना॥ य॥ वा॥ ग॥ रु॥ न॥ : न॥ न॥ व॥
ल॥ य॥ न॥ स॥ म॥ य॥ न॥ ह॥ ग॥ वा॥ न॥ : म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ख॥ : सा॥ ध॥ का॥ ल॥ का॥ म॥ ल॥ हा॥ न॥ : सा॥ ध॥

म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : आ॥ ग॥ रु॥ थ॥ : ए॥ ना॥ ग॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : म॥ व॥ र॥ त॥ ह॥ र॥ म॥ हा॥ वि॥
श्रु॥ ना॥ ला॥ : य॥ म॥ स॥ मा॥ ना॥ म॥ हा॥ वा॥ न॥ व॥ र्व॥ थ॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : स॥ व॥ र्व॥ थ॥ स॥ श्रु॥
ध॥ म॥ स॥ श्रु॥ स॥ व॥ स॥ श्रु॥ आ॥ ग॥ रु॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ : स॥ र्व॥ व॥ थ॥ क॥ म॥ वि॥ य॥ गु॥ इ॥ र॥ :
म॥ द॥ र॥ हि॥ हि॥ र॥ व॥ र॥ म॥ हा॥ ना॥ ग॥ ह॥ द॥ र॥ स॥ र्व॥ ना॥ ग॥ ना॥ आ॥ क॥ रु॥ ह॥ आ॥ क॥ रु॥
सि॥ : सा॥ धु॥ व॥ न॥ हा॥ हा॥ : म॥ हा॥ म॥ य॥ वि॥ कु॥ वि॥ न॥ का॥ स॥ न॥ का॥ ल॥ व॥ हा॥ : स॥ र्व॥ न॥

तसि वन ह मय द ल विन दाम म कि का हा ल य वि गान म हा स म
उ म धेः ॥ ॥ दि व न त वि ना भा भा वि न क म म य ल व सा नः
म हा स म उ म धेः स च न ल ग न न म ची ल य त्व सु म य य न म्य सा न
दि व इ य य व ल म कि का हा न स म उ म धेः स च न ल ग न न म ची ल य
हं य त्व सा ना ना ग मी न व द्ध वि क वि ना धि ल्हा न भु न नि धा य स म

उ म धेः स च न ल ग न न म धि ल्हा य म हा म धेः वि क वि न स न म
भ न नि धा य स म उ म धेः ना ना न ल दि र्वा वि गान द्य ल्हा स न स म उ म
धेः स स र्व यं कि ग न म न म हा स म उ म धेः य द्ध यी य म च न म हा स म
उ म धेः म हा स म उ म धे म हा नि धा य दि व न त य म्य सा न नि वि र्वा
म कि दान य न म्य सा न स म उ म धेः स व न् शु न य नि म् दि न म हा वि द्या

कर्म द्विष

८

पुत्रवर्षश्च ॥ कुरु कनागनाकानसंवा दया मित्रुक्तसखन ह्युवर्ष.
अस्वाहा ॥ श्री क ७ नागनाकानसंवा दया मि ॥ उ स ख न ह्यु व र्व
स्वाहा ॥ नागिन नागनाकानसंवा दया मि न उ स ख न ह्यु व र्व
वर्षश्च ॥ मि न स्वि ना ग ना कान स वा द या मि स वि स ख न ह्यु
न द्वि य पु व र्वश्च स्वाहा ॥ म हा म न स्वि ना ग ना कान स वा द या मि स व

नागनासखन ह्युवर्षश्च ॥ अस्वाहा ॥ य स्तु न नागनाकान
संवा द या मि य क न ह्यु व र्वश्च ॥ अ न न य नाग
नाकानसंवा द या मि ना क स स ख न ह्यु व र्वश्च ॥
। सर्व नाग उवा य वि स ख न ह्यु व र्व थ र मा वि न व थ आ ग रु थः
लो लो म हा ना ग स र्व ना ग ह द मि स वा द य मि क अ दा मा स न र

हृन् रभूय र हा हा हा हा हि हि हि ५ हृ हि थ थ थ च च च च च न स व क
ज नि ज्ञा य दै ज्ञे थ सर्व स सा नि य व र्थ थ म हा वा ना न य म च थ ऊं ऊं ऊं द द द
य य द ट टा ट नि वी नि नि सं रु नि सा ह नि जां गु स य क मि व क नि मा क गी
ज य वि रु य स्वा हा सर्व म हा म द श र्ज म हा म द न थ ग ना नां सं वा द य मि
म हा म द श्री नं जा य न थ ग ना य म हा म द हृ ट का य न थ ग ना यः

म हा म द स हा य न थ ग ना यः म हा म द ग र्ज य न थ ग ना य म हा म द सं रु
ना ना य न थ ग ना यः म हा म द ग र्ज वा य न थ ग ना यः म हा म द हृ ग ना य न थ
ग ना यः म हा म द वि ग र्ज न स न ना जा य न थ ग ना यः म हा म द सं व र्ज क
य न थ ग ना यः म हा म द गु फा य न थ ग ना यः म हा म द इ न्द्र हि स वा य
न थ ग ना यः म हा म द ना ना य ट थ ग ना यः म हा म द श्री नं ज्ञ य थ ग

यमसुमयशुधायनभगगायमहामयनरुगायनभगगायःमहाः
मयवाकमउलिनाकायनभगगायःमहाधर्मजयगिष्टिनाअय
नभगगायमहामयस्यासुगमयनंदिनभगगायःमहामयगुन १०
गुनसुधायनभगगायःमहामयहिसयनायनभगगायमहामय
विकुर्वननाकायनभगगायःमहामयमंगस्यायनभगगायसुधैवः

इनामविद्यननसर्वधाधिसर्वनामधिसर्वनामविद्यननसर्वनाम
नासत्यनसर्वभगदद्यांसदादयामिभोधुमागकथजलनयायवम
ननवैरुहयःहैलागागहनूरभवरसनरकुटरमाविसन्धयवध
सर्वनागकथःभर्मीसत्यनागकथःसद्यसत्यनागकथःसर्वनागम
हानागउयययनिसत्यनवर्धयःनवद्वियस्याहाहाहानुनोहाहा

गायत्री साहसनागा वि कर्वन्मः संद्य न न म हा वय धायुम् ३ कु न म नियाः
 स्वाहा नारधिर्मना दापुम् ३ नाय रा वय ना गु न र ना रा र वे द र ना गिनि
 हाहाहि हि नाग नागिनि नाग वि स्क रु नि मा हा नि मा न का न ति ना प्र न व
 ना ल क यि ल क ३ वि क र ड डि रु या न क ३ क ३ ३ मा वि म् ३ ३ वि क
 क नि धा न नू यि नि का ल ३ काल गार्ज नि सर्व म दौ वि क र्व वि स ३ ३

२१

नि सर्व ३ उ मा य न ति व कृ च क व हि हि नि र व मि र स्म न र का लि र म हा
 का लि द्र द यं वि स ३ ३ म ठ स व ना ग म क र्व निः य न य र र न त्व उ य वि क
 वि नः व र्जी नी स व ना ग म रं ३ ३ द नि स्वा हा ॥ ३ ३ न मी न त्व उ या य न म
 : व उ व ३ या न य म हा ३ ३ स ना य न यः व न्ध र म नू य का नू यि पी य स्वा हा
 वि व ल क नि क स क रु क न गु र्ति व न्ध का र्यः य व म व न्ध का म्हा न

के कृत्तनक्राविश्वननः अयं वा क म क लियनिवर्तः सर्वनागद्वद
 यनामः यं वातयि क यंः अथ व किं न कि स फा ह ग म य न प र्व स्थाः
 दि सि डि जी वा ना म ना ग ना काः य नि ता ना अ नि दि वि क यंः द कि न स्था
 दि सि य थु सि इ वः यु स्था न न ना ग ना का न स फ सि वा ना म य लि वा स अ
 दि सि वि क यंः य दि म स्था दि सि अ व ल स न सि इ वा ना म ना ग ना का स फ

१२

७

सि वा ना म य लि वा ल न लि वि क यं ॥ उ र्क स न म य स सं तो द ना ना म ना ग वा
 जानः व शि र्वा श्री ज य वि क यंः स य वि वा ल नि च वि वा न न व न रु नि च
 धा ऊ स र्वा च नी ला व नि क रु यंः ना ग ना ना म य लि वि क यं व ल न व
 स फ रु निः ना ग ल द य नः मे द ना का न य वि व ज य यि न वः व र्षा धा व
 म व रा नुः अ थ वा व स द न मा ना अ न वि दू व का स मा ला ल इ व स

लिका लोचिका नाग कल्ल मासक थाम वरु कानि च दिव्य नि उदाय
उवल्लिक रुलग वनं मद्य सस्या वला ह को यन थाम नाया इह नै सं
मद्य व धाय नमो रुलग न मद्य मन्त्रि न थाम नाया इह नै सं मद्य व
व धाय नमो रुलग व न मद्य विक्री न थाम नाया इह नै सं मद्य व
धाय नमो रुलग व न मद्य स्व नाय न थाम नाया इह नै सं मद्य व धाय

नमो ह्यं सं वां कथां मि स्रुव ह वै नो गखर्क मे द्याव काय न आगया इह न
सं मे स्त व भया ॥ नमो ह्यं गवर्क न अगगाया इह न सं मे स्त व भ
या ॥ नमो ह्यं गवर्क मे द्याव काय न आगया इ ॥ इह न सं मे स्त व भया ॥ न
मो ह्यं गवर्क मे द्याव काय न आगया इह न सं मे स्त व भया ॥ न
मो ह्यं गवर्क मे द्याव काय न आगया इह न सं मे स्त व भया ॥ नमो ह्यं

सर्वकर्मयुक्तनायकभागनायाहं न सम्यक् संवत्सराय ॥ नमो रोगव
नमयविनादिकानां भागनायाहं न सम्यक् संवत्सराय ॥ नमो रोगव
यनामस्वीहं वक्तुं सर्वसत्त्वानां मे हि ह्यनु सर्वसं ह्यनु ह्यनु सर्व १४
शिरोगनानां सांभ्यः सर्वगनयः नमः सर्वनिवर्त विस्वरिषु सिः
द्वेष्ट सर्वकथागठविधिः सर्ववत्सवत्सा केन विधिः नष्टायाः स्मृते

स्वात्ता ॥ यः कश्चित् सितस्वकः रिक्ता रिक्ता निवाउयासका वाउया सि
का वाञ्छु विवक्तुयावक्तुः मे उचितः ॥ माविन कथागनावांभ्यानिनिः
दिवत्ताञ्छु विनाः आसने स्थापयिः स्वकभयकठरु कामक्रीयकाका
तापक सर्ववानाकथागकनामनियतिवर्तयितुः मे ह्यनु यकाकत्वा
अनाष्ट रिक्ता ह्यवर्तु नष्टुवर्तयितुं नष्टुवर्तयितुं नष्टुवर्तयितुं ॥

महाभारतस्य सायामसुखं द्वाकूमभुलियलिवर्द्धः यत्तु यद्विदुः
वर्षायननाम धननिमगाय नो ॥ वासुदेमंगवर्द्धन ॥
अथाहं बहून्महीसागवर्द्धमाहययुधमसुखं न स्यात्तिष्ठेत्

अथवासायुध

85